बूहे पावें मन्दिरा दे खोल या ना खोल

बूहे भावें मन्दिराँ दे खोल या ना खोल,
अस्सी कुण्डा खड़काई जाना ए ।
मर्जी ए तेरी चाहे बोल या न बोल
ऐसी माँ माँ कह के बुलाई जाना ए ॥
बूहे पावें मन्दिरा...
असी कुण्डा खड़काई...

बच्चेयाँ दी भूलां उत्ते मावां पौन पर्दा,
भूल हो ही जांदी ए, कोई जान के नहीं करदा ।
लख्ख फटकार भावें गुस्से विच्च बोल,
ऐसी हसके तैनू वी मनाई जाना ए ॥
बूहे पावें मन्दिरा खोल...
असी कुण्डा खड़काई...

चाहे दुत्कार चाहे ठोकरा वी मार माँ,
ऐसी वी हां टीठ पक्के छडांगे ना द्वार माँ
सुख विच रख भावें दुख विच्च रोल,
अस्सी सर अपना ही झुकाई जाना ए ॥
बूहे पावें मन्दिरा खोल...
असी कुण्डा खड़काई...

बच्चियां दे बाजो तैनू माँ किसे कहना नहीं,
बच्चियां नाल रूस के माँ चैन तैनू पैना नहीं ।
कदी खुश होके जे बुलावेंगी माँ कोल,
हस हस के तैनू वी हसाई जाना ए ॥
बूहे पावें मन्दिरा खोल...
असी कुण्डा खड़काई...

तेर ते ही हक्क साडा तेरे ते ही ज़ोर माँ,
तेरे बिना गल्ल साडी सुने कौन होर माँ ।
सुन या न सुन लैना सुख दुःख फ़ोल,
हाल दिल वाला तेनु मां सुनाई जाना ए
बूहे भावें मन्दिरा दे खोल या ना खोल
असी कुण्डा खड़काई जाना ऐ

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34565/title/buhe-paabe-mandira-de--khol-yaa-naa-khol

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |